JESUS REDEEMS MINISTRIES

युवा जीवन

जनवरी 2025

क्योंकि तुमने मेरे लिए उत्साहपूर्वक कष्ट सहे।

मैं तुम्हें खोजूंगा और तुम्हें आशीष दूंगा!

हर पांचवें रविवार को हमारे पास युवाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम होता है - "रिवाइवल इग्नाइटर फ़ेलोशिप"। यह जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्रीज के यूट्यूब चैनल पर 30/03/2025, 29/06/2025 और 31/08/2025 को दोपहर 3:00 बजे "लाइव" प्रसारित किया जाएगा।कृपया अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए गए नंबर पर हमसे संपर्क करें।

YouTube Jesus Redeems - Hindi | Comforter DIGITAL CHANNEL | www.comfortertv.com

संपर्क संख्या : +919750955548

Revival IGNITERS Monthly Fellowship

इग्नाइटर्स यूथ फ़ेलोशिप एक जगह है जहां युवा अपनी आध्यात्मिकता को प्रज्वलित करते हैं जीवन की गहन सच्चाइयों की खोज करें बाइबल, और प्रार्थना करने में शक्ति पाएँ एक समूह के रूप में देश।आपका स्वागत है इस फ़ेलोशिप में शामिल होने और बढ़ने के लिए मज़बूत। चलो भी! अपने आप को मजबूत करो,और दूसरों को मजबूत करने के लिए तैयार हो जाइये !

हर पहले रविवार

Mumbai – Dharavi
Timing: 5.00 PM- 7.30 PM
World Revival Prayer Centre
2nd Floor, Above Balakrishna
Farsan Mart, Opp. Apna Restaurant,
Near Kamarajar School,
90 Feet Road,
9004882470

हर दूसरे रविवार

THANE
Timing: 5PM - 7:30PM
R.P. Mangala High School
(Near Railway Station),
Room No.10,
Opp. Bank of Maharashtra,
Thane (East)
9004882470

हर चौथे रविवार

Mumbai-Malad
Timing: 4.00 PM – 6.00 PM
Bethel Ground Floor
305/E, Mith Chauky,
Marve Road,
Malad (W)
9664050567 | 9619996976

मेरे प्रिय जवां दिलों को, यीशु मसीह के मधुर नाम में नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

यीशु मसीह आपसे बहुत प्रेम करते हैं, और उन्होंने इन दिनों में आपको सामर्थी रूप से उपयोग करने की अपनी योजना की घोषणा की है। अपने वायदे के अनुसार, प्रभु अपनी महिमा के लिए एक उत्साही सेना खड़ी कर रहे हैं। 2024 में यीशु यूथ मिनिस्ट्री के माध्यम से परमेश्वर ने आपका उपयोग कैसे किया है, इस पर विचार करते हुए—सुसमाचार की घोषणा करना और प्रार्थना के लिए अनगिनत घंटे समर्पित करना—मेरे हृदय को अपार खुशी और कृतज्ञता से भर देता है। निश्चित रूप से, प्रभु यीशु आप पर भी प्रसन्न होते हैं!

जैसे ही हम इस नए साल में कदम रखते हैं, मैं आपको और भी अधिक जोश और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। इस दौड़ को नए सिरे से तीव्रता के साथ दौड़ें, यह जानते हुए कि प्रभु हर कदम पर आपके साथ हैं।

हम सभी पाठकों, लेखकों, अनुवादकों, इग्नाइटर्स और हर प्रार्थना योद्धा को भी अपनी हार्दिक नव वर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं जो यूथ वर्ल्ड मैगज़ीन के माध्यम से हमारे साथ मध्यस्थता में खड़े हैं। यह वर्ष आपके जीवन और सेवकाई में अभूतपूर्व आशीष और सफलताओं में से एक हो!

प्रस्तावना

यीशु मसीह के अतुलनीय नाम में आपका अभिवादन!

मैं परमेश्वर को उनकी असीम अनुग्रह के लिए धन्यवाद देता हूँ जिसने आपको सन 2024 में सुरक्षित रखा, जैसा कि उसने वायदा किया था, आपको सभी मुश्किलों से बचाया और आपको उसके राज्य में उत्साह से सेवा करने के लिए सशक्त बनाया। वास्तव में, आपको सामर्थी रूप से इस्तेमाल करने के लिए वह सारी महिमा के योग्य हैं!

जैसे ही हम अब सन 2025 में कदम रखते हैं, परमेश्वर ने आपके लिए एक सामर्थी वायदा किया है: "मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तुम्हें आशीष दूँगा" (निर्गमन 20:24)। वह आपको आशीष क्यों देता है? क्योंकि आपने ईमानदारी से उसके नाम की घोषणा की है - अथक, निडर और निस्वार्थ रूप से। वह आपकी अटूट समर्पण से प्रभावित है और आपको भरपूर आशीष देने के लिए नीचे उतर आएगा।

इस वर्ष, आपके मिशन को प्रारंभ से ही गति बढाने की आवश्यकता है। हमें और भी अधिक उत्साह के साथ जागृति की आग फैलाने के लिए बुलाया गया है। प्रभु के नाम को हर कोने में सामर्थी रूप से घोषित किया जाना चाहिए। आप, प्रज्वलित करने वालों की तरह, जो समस्त देश में जागृति की लौ को ले जाने वाले हैं, अब उसके नाम की घोषणा करने के अपने मिशन को तेज करना चाहिए। जहाँ भी आप यीशु के प्रेम का सुसमाचार बाँटते हैं, या सुसमाचार के पर्चे बाँटते हैं, या प्रार्थना समूहों में उत्साहपूर्वक मध्यस्थता करते हैं, और प्रार्थना में एक साथ काम करते हैं, वहाँ परमेश्वर प्रकट होगा। वह आँसू पोंछेगा, दुखों को परिवर्तित करेगा, और लोगों के मध्य सामर्थी आश्चर्यकर्म करेंगा।

वे स्थान जहाँ आप उसके नाम की घोषणा करेंगे, वहाँ परमेश्वर की असाधारण चलन देखी जाएगी। चिन्ह और चमत्कार बहुत गहनता से प्रकट होंगे। जिस तरह से प्रारंभिक प्रेरित युग में परमेश्वर के सामर्थी कार्य देखे गए थे, हम ऐसे समय में कदम रख रहे हैं जहाँ वह आपको उसी तरह सशक्त बनाएगा और उपयोग करेगा।

अब समय है अपने प्रार्थना जीवन को गहरा करने का!

अब समय है अडिग उत्साह के साथ सुसमाचार की घोषणा करने का!

खुद को यीशु के शिष्य के रूप में समर्पित करें, यह घोषणा करते हुए कि, "मैं तब तक आराम नहीं करूँगा जब तक कि मेरा राष्ट्र जागृति को न देख ले!"

मसीह के मिशन में
मोहन सी. लाजर

JESUS REDEEMS MINISTRIES

जीसस

रिडीम्स सेवकाई का दर्शन

JESUS REDEEMS MINISTRIES

50 CRORE GOSPEL 5 CRORE SOULS

VISION 2030

दर्शन	क्रिया
50 करोड़ लोगों को सुसमाचार सुनाना	5 करोड़ लोगों को मसीह में ले आना

यूथ मिनिस्ट्री का दर्शन

दर्शन	क्रिया
10 करोड़ जवानों को सुसमाचार सुनाना	1 करोड़ जवानों को मसीह में ले आना

1 करोड़ आत्माओं का दर्शन

1 करोड़ युवाओं तक सुसमाचार पहुँचाने और 10 लाख युवाओं को मसीह की ओर ले आने के परमेश्वर द्वारा दिए गए दर्शन से प्रेरित होकर, वर्ष 2024 में उल्लेखनीय मील के पत्थर देखे गए। हमने 3,503,655 युवाओं के साथ सुसमाचार साझा किया, और परमेश्वर की कृपा से, उनमें से 30,000 ने यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

इन आत्माओं के लिए प्रार्थना में 1 करोड़ घंटे समर्पित करने की प्रतिबद्धता के साथ, प्रार्थना कार्ड, प्रार्थना समूह और इग्नाइटर्स फेलोशिप जैसी प्रार्थना पहल शुरू की गईं। इन प्रयासों के माध्यम से, परमेश्वर ने हमें सामूहिक रूप से 713,152 घंटे प्रार्थना करने में सक्षम बनाया।

2024 में इस मिशन को पूरा करने में उनके मार्गदर्शन और अनुग्रह के लिए परमेश्वर की स्तुति हो!

इंतज़ार की अत्यावश्यकता

यह पास्टर बेनेट क्रिस्टोफर के साथ एक विशेष साक्षात्कार है, जो एक मसीही परिवार में चर्च के पास्टर के बेटे के रूप में पैदा हुए थे और छोटी उम्र से ही परमेश्वर की भक्ति में पले-बढ़े थे। फिर भी, अपनी युवावस्था में, वे क्रिकेट के प्रति जुनूनी हो गए, सिर्फ इसलिए की परमेश्वर द्वारा अपने उद्देश्यों के लिए उन्हें अलग किया जाए। आज, वे गीतों और आराधना के माध्यम से प्रभु का नाम ऊँचा उठाते हैं, जिनमें से कई उन्हें परमेश्वरीय प्रेरणा के रूप में मिले थे।

क्या आप अपने और अपने बचपन के बारे में बता सकते हैं?

मैं कोयंबटूर जिले में एक मसीही परिवार में चर्च के पादरी के बेटे के रूप में पैदा हुआ था। हमारे परिवार में मेरे पिता, माता, छोटा भाई और मैं था। जब मैं सिर्फ़ डेढ़ साल का था, तो एक जानलेवा घटना घटी। जब मैं दूध पी रहा था, तो यह गलती से मेरे नाक के रास्ते में चला गया, जिससे मेरी नाक और मुँह दोनों बंद हो गए और मेरी साँस रुक गई। पाँच मिनट तक, मैं पूरी तरह से साँस के बिना था। उस महत्वपूर्ण क्षण के दौरान, मेरी माँ ने प्रार्थना करते हुए कहा, "हे प्रभु, यदि आप मेरे बेटे को उसका जीवन वापस दे दें, तो मैं उसे आपकी सेवा के लिए समर्पित कर दूँगी।" अनुग्रह से परमेश्वर ने मेरा जीवन बहाल कर दिया, और उस क्षण से, मुझे उनकी सेवा करने की गहरी प्रतिबद्धता के साथ बड़ा किया गया।

मैं एक चर्च परिसर में बड़ा हुआ, एक ऐसे समुदाय से घिरा हुआ था जिसने मेरे विश्वास का पोषण किया। परिसर में 35 लड़कों के साथ एक अनाथालय भी था, जो मेरे खेल के साथी बन गए। मेरा बचपन खुशियों से भरा था, मेरे परिवार के प्यार और इन दोस्तों के साथ जो मेरा रिश्ता था उससे। एक पास्टर का बेटा होने के नाते, मुझे परमेश्वर की भक्ति में एक मजबूत नींव के साथ पाला गया, जिसने मेरे शुरुआती वर्षों को गहराई से आकार दिया।

एक बच्चे के रूप में सेवकाई के लिए समर्पित होने के बाद, आपकी पढ़ाई कैसी रही?

छोटी उम्र से, मैं एक मेहनती छात्र था, लगातार शिक्षा में उत्तम प्रदर्शन करता था और अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करता था। हालाँकि, चूँकि मेरे माता-पिता ने मुझे पहले ही सेवकाई के लिए

समर्पित कर दिया था, इसलिए वे मेरी उपलब्धियों का जश्न मनाने से कतराते थे, उन्हें डर था कि मैं परमेश्वर की बुलाहट का पालन करने के बजाय करियर बना सकता हूँ। जब मैंने अच्छे अंक प्राप्त किए, तब भी उनकी ओर से कोई प्रशंसा या प्रोत्साहन नहीं मिला। इस प्रशंसा की कमी ने मुझे बहुत दुखी किया, इस हद तक कि मैं उन्हें अपनी प्रगति रिपोर्ट दिखाने में भी झिझकने लगा। फिर भी, परमेश्वर के अनुग्रह से, मैं अपनी पढ़ाई में दृढ़ रहा, और उसने मेरे प्रयासों को भरपूर आशीर्वाद दिया।

जब एक होनहार छात्र होने के बावजूद, आपको अपने माता-पिता से सराहना नहीं मिली, तो आपने क्या किया?

उस समय, मेरा ध्यान क्रिकेट पर चला गया। मैंने खेल के लिए अपनी प्रतिभा को पहचाना और इसके प्रति इतना जुनूनी हो गया कि मैं एक कट्टरपंथी की तरह व्यवहार करने लगा। मैं अपने बल्ले को बगल में रखकर सोता था और दुकानों पर भी इसे लेकर जाता था। मैं सचिन तेंदुलकर को इस हद तक अपना आदर्श मानता था कि अगर कोई उनके बारे में बुरा बोलता, तो मैं उससे लड़ने के लिए तैयार रहता। मेरा जुनून इतना गहरा था। क्रिकेट में मेरी बढ़ती दिलचस्पी को देखकर, मेरे माता-पिता चिंतित रहने लगे, उन्हें डर था कि मैं सेवकाई छोड़ सकता हूँ। जब मैं 15 साल का हुआ, तब तक मेरे क्रिकेट कौशल ने कई लोगों को प्रभावित किया था, और उन्होंने मेरे माता-पिता से मुझे पेशेवर क्रिकेट प्रशिक्षण में दाखिला दिलाने का आग्रह किया। हालाँकि, मेरे पिता ने इस विचार का कड़ा विरोध किया। वह इतना क्रोधित हुए कि उन्होंने मुझे बुरी तरह पीटा, जिसके परिणामस्वरूप पलंग पर गिरने से मेरी भौं पर एक निशान बन गया। वह निशान आज भी बना हुआ है। मेरे पिता अक्सर कहा करते थे, "मैं इस दुनिया में तुमसे और कुछ नहीं माँग रहा हूँ। मेरी एकमात्र इच्छा है कि तुम प्रभु की सेवा करो।" चूँकि यह मेरे जीवन के लिए परमेश्वर की बुलाहट थी, इसलिए मेरे माता-पिता यह सुनिश्चित करने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध थे कि मैं उनके उद्देश्य को पूरा करूँ।

जब क्रिकेट आपका जीवन था, तो आपको मंत्रालय के लिए जुनून कब विकसित हुआ?

यह मेरी 10वीं कक्षा के दौरान था जब मुझे सेवकाई और चर्च के लिए बोझ महसूस होने लगा था। प्रभु की सेवा करने वालों को देखकर मुझमें असंतोष की भावना जगी। मेरे भीतर एक निरंतर विचार हिलोरें मारने लगा: "किसी को प्रभु के लिए खड़ा होना चाहिए। कौन परमेश्वर केलिए खड़ा होगा? चाहे कुछ भी खो जाए - अवसर, पदवी या विलासता - किसी को उनके लिए दृढ़ता से खड़ा होना चाहिए। वह 'कोई' मैं क्यों नहीं हो सकता?" प्रभु ने मेरे भीतर इस विश्वास को गहरा करना जारी रखा। वह समय मेरी आध्यात्मिक यात्रा और सेवकाई में मेरे जीवन दोनों का आधार बन गया।

ठीक है, पास्टर! सेवकाई केलिए बोझ महसूस करने के बाद आपने पहली बार गीत लिखना कब शुरू किया? गीत लेखन के लिए यह अनुग्रह कैसे उभरा?

मैं लगभग 15 साल का था जब एक उपदेशक हमारे चर्च में आया और उसने एक भजनसंहिता पर आधारित एक उपदेश दिया, "मैंने तेरे विरुद्ध पाप किया है और तेरी दृष्टि में जो बुरा है, वही किया है।" सेवा के बाद घर लौटते समय, मुझे परमेश्वर की भारी उपस्थिति का एहसास हुआ। वह भजन मेरे पास एक धुन के साथ आया, और मैंने इसे बार-बार गाया। जब मैं घर पहुँचा, तो मैंने बैठकर उन पंक्तियों को एक नोटबुक में लिखा जो प्रभु ने मेरे दिल में रखी थीं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि मैं धुन को न भूलूँ, मैंने इसे कम से कम सौ बार गाया होगा। वह पहला गीत था जो प्रभु ने मुझे दिया था।

15 वर्ष की उम्र से, प्रभु ने मुझे कई गीतों से आशीष देना जारी रखा। जब मैं 18 वर्ष का हुआ, तब तक उसने मुझे 20 से ज़्यादा गीत दिए थे। इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ, "मैं गीत नहीं लिखता; मैं उन्हें प्राप्त करता हूँ।" जब भी मैं परमेश्वर की उपस्थिति में होता हूँ, तो ऐसा लगता है जैसे कोई मेरे दिल में गीत और धुन डाल रहा है। यह मेरा प्रयास नहीं है बल्कि एक उपहार है जो मुझे परमेश्वर से प्राप्त हुआ है। मैंने अक्सर खुद गाने लिखने की कोशिश की, लेकिन चाहे मैं कितनी भी कोशिश कर लूं, मैं ऐसा नहीं कर सकता। फिर मैं कैसे दावा कर सकता हूं कि मैं गाने लिखता हूं? यह पूरी तरह से उनकी कृपा से है कि मुझे ये गाने मिले हैं, मेरी योग्यता से नहीं।

निश्चित रूप से, पास्टर! हाल ही में, "उंगानाममुयारनम" और "अवरनाममयेसुकुष्टु" गीतों ने प्रभु के नाम का गुणगान करके लोगों के दिलों पर कब्ज़ा कर लिया है। क्या आप इन गीतों के पीछे की प्रेरणा को साझा कर सकते हैं?

गीत "उंगानाममुयारनम" की शुरुआत बिल्कुल उन्हीं बोलों से नहीं हुई थी। शुरू में, मुझे हलेलुया कोरस की धुन मिली, साथ ही "आवियानावरे, आवियानावरे" (पवित्र आत्मा, पवित्र आत्मा) शब्द भी मिले। जब भी मैं विभिन्न अभिषिक्त सभाओं में उस कोरस को गाता था, तो लोग पवित्र आत्मा के एक नए प्रवाह का अनुभव करते थे। मैं उन शब्दों को बार-बार दोहराता रहा। एक दिन, प्रार्थना के समय, जब मैं "आवियानावरे, आवियानावरे" गाने में डूबा हुआ था, तो अचानक बोल बदलकर "हालेलुयाह, हालेलुयाह" हो गए। इसके तुरंत बाद, परमेश्वर ने मुझे धुन के साथ नए शब्द "उंगानामामुयारनुम" दिए, और उसी दिन गाना पूरा हो गया।

चाहे मैं कहीं भी रहूँ - चाहे यात्रा कर रहा हो या घर पर - मुझे लगातार परमेश्वर की आराधना और स्तुति करने की आदत है।

आराधना के ऐसे क्षणों के दौरान, मैं अक्सर एक अलग दिव्य उपस्थिति महसूस करता हूँ, और तब परमेश्वर मेरे दिल में नए गीत डालते हैं। एक दिन, जब मैं परमेश्वर के नाम की महानता पर ध्यान कर रहा था, तो उन्होंने मुझे "अवर्णाममयेसुकृस्तु" गीत दिया। यह गीत एक शक्तिशाली संदेश देता है: एक ऐसी दुनिया में जहाँ लोग अलग-अलग समस्याओं के लिए अलग-अलग उपाय खोजते हैं और विभिन्न ज़रूरतों के लिए कई देवताओं की पूजा करते हैं, वहाँ केवल एक ही नाम है जो हर स्थिति, हर ज़रूरत और हर उपचार के लिए पर्याप्त है। वह नाम है यीशु मसीह, वह नाम जो हमें अनंत जीवन और हर परिस्थिति पर विजय की ओर ले जाता है।

क्या आप हमें अपने विवाहित जीवन के बारे में बता सकते हैं?

मेरी शादी 2016 में बहन पर्सियामोथी से हुई थी। हमारी शादी परमेश्वर की वफादारी और चमत्कारी प्रावधान की गवाही है। मेरी पत्नी एक आईटी कंपनी में एचआर प्रोफेशनल के तौर पर काम करती हैं और हमें दो खूबसूरत बेटियों की आशीष मिली है।

आप युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

युवावस्था में प्रगति और प्रसिद्धि की इच्छा होना स्वाभाविक है। यह लालसा वैध है, खासकर उन लोगों के लिए जिनके पास असाधारण वरदान और प्रतिभा है। हालाँकि, ये आकांक्षाएँ कभी-कभी हमें अधीर बना सकती हैं। मैंने भी इसका अनुभव किया है। नौ साल पहले, मैंने अपनी प्रतिभा, कौशल और संसाधनों पर भरोसा करते हुए एक सी.डी जारी की। हालाँकि मैंने इसे शुरू करने से पहले प्रार्थना की थी, लेकिन मैं यह जानने में विफल रहा कि यह उनकी इच्छा या समय के अनुरूप है या नहीं। नतीजा? मुझे तीन लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। उस अनुभव ने मुझे एक मूल्यवान सबक सिखाया: परमेश्वर के समय और इच्छा का इंतजार करना महत्वपूर्ण है। तब से, मैंने केवल तभी कार्य करने का संकल्प लिया जब परमेश्वर ने निर्देश दिया। कई सालों तक, मैंने इंतजार किया। आखिरकार, 2022 के अंत में, परमेश्वर ने मुझे गाने जारी करने की हरी झंडी दी। उनके मार्गदर्शन से, मैंने उन्हें एक-एक करके रिलीज़ करना शुरू कर दिया। इस जीवनयात्रा के द्वारा से, मैंने पाया कि परमेश्वर की इच्छा और समय के साथ तालमेल बिठाने से अपार शक्ति और आशीष मिलता है।

एक बड़े भाई के रूप में अपने जीवन से साझा करते हुए, मैं युवाओं से आग्रह करता हूँ कि वे परमेश्वर के नियुक्त समय की प्रतीक्षा करें, चाहे आप कितने भी प्रतिभाशाली, साधन संपन्न या अवसरों से भरे क्यों न हों। अगर मैंने समय से पहले, प्रभु द्वारा बुलाए जाने से पहले सेवकाई में प्रवेश किया होता, तो मैं गलत संदेशों का प्रचार कर सकता था या गहराई और सच्चाई की कमी वाले गीत जारी कर सकता था। इसलिए, परमेश्वर के मार्गदर्शन की तलाश करना और अपने बुलावे को पूरा करने के लिए उनके समय की प्रतीक्षा करना महत्वपूर्ण है। मैंने 14 साल पहले बाइबल कॉलेज से स्नातक किया था, और आज, जब मैं उन वर्षों के बारे में सोचता हूँ, तो मेरा दिल खुशी से भर जाता है। उन 14 वर्षों में से कोई भी बर्बाद नहीं हुआ। हालाँकि, मेरी शादी के बाद, जीवन आसान नहीं था। मेरे पास एक स्थिर सेवकाई नहीं थी, न ही मैं अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए पर्याप्त कमाता था। महीने दर महीने, मुझे खर्चों को पूरा करने के लिए अपनी पत्नी से पैसे उधार लेने पड़ते थे। मेरी स्थिति को देखने वाले कई लोगों ने मेरा मज़ाक उड़ाया और ऐसे शब्द कहे जो मेरे दिल को चोट पहुँचाते थे। फिर भी, उन मुश्किल दिनों के दौरान, हारून की छड़ी के बारे में बाइबिल का वृत्तांत मेरे लिए बहुत ताकत और प्रोत्साहन का स्रोत बन गया। जब बारह छड़ियों को परमेश्वर की उपस्थिति में रखा गया, तो केवल प्रभु द्वारा चुनी गई छड़ी ही जीवन के लिए अंकुरित हुई। रात भर में, उसमें कलियाँ निकलीं, फूल आए और पके हुए बादाम पैदा हुए। मानवीय तर्क के अनुसार, जमीन में एक सूखी छड़ी लगाना, उसे ईमानदारी से पानी देना और उसके फल देने के लिए सालों तक इंतजार करना तर्कसंगत लग सकता है। लेकिन परमेश्वर की उपस्थिति में, परिवर्तन होने के लिए बस एक रात की जरूरत थी। यह रहस्योद्घाटन मेरे लिए ताकत का एक गहरा स्रोत बन गया। जब भी मैं ऐसे शब्द सुनता जो मुझे हतोत्साहित करने की कोशिश करते, मैं इस घटना को याद करता और प्रभु में नया साहस पाता।

इसे पढ़ने वाले सभी युवा लोगों के लिए, मैं आपको यह विचार देना चाहता हूँ: प्रभु के समय की प्रतीक्षा करें। उनके मार्गदर्शन पर भरोसा करें। हमारा परमेश्वर अपने समय में सभी चीजों को सुंदर बनाता है। चाहे हम कितने भी प्रतिभाशाली या प्रतिभाशाली क्यों न हों, वह मौसम जब परमेश्वर हमें आकार देता है, कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसा मौसम है जिसे वह स्वयं निर्धारित करता है और जिसका पूर्वानुमान लगाता है। एक और बात पर मैं ज़ोर देना चाहता हूँ—अगर आपको परमेश्वर की सेवकाई में बुलाया गया है, तो आपको इंसानों पर भरोसा रखने की कोई ज़रूरत नहीं है।

किसी भी व्यक्ति का दायित्व है कि वह आपको ऊपर उठाए या आपका समर्थन करे। अगर आपको बुलाने वाला परमेश्वर है, तो वह आपके मार्ग और उद्देश्य का ध्यान रखेगा।

परमेश्वर से जुड़े रहो!

परमेश्वर की प्रतीक्षा करो!!

परमेश्वर के समय पर कार्य करो!!!

युवा बेदारी सभाएँ

परमेश्वर ने जीसस रिडीम्स मिनिस्ट्री को युवा सेवकाई के लिए एक अलौकिक दर्शन सौंपा, जिसका उद्देश्य 10 करोड़ युवाओं को सुसमाचार का प्रचार करना और 1 करोड़ को परमेश्वर के राज्य में ले जाना है। इस मिशन से प्रेरित होकर, सेवकाई हर राज्य में प्रार्थनाशील और सुसमाचार प्रचारक युवाओं को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

2024 में, परमेश्वर के अनुग्रह से, तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में 30 स्थानों पर युवा बेदारी सभाएँ आयोजित की गईं, साथ ही आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनिंदा क्षेत्रों में भी। इन सभाओं में लगभग 8,930 युवाओं ने भाग लिया, जो प्रार्थना और सुसमाचार प्रचार के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित हुए। कई लोग सुसमाचार प्रचार के लिए नए जोश के साथ चले गए, उन्होंने खुशखबरी साझा करने के लिए 300,000 से अधिक सुसमाचार पत्रक खरीदे।

मैं तुम्हें खोजूंगा और तुम्हें आशीष दूंगा!

मेरे प्रिय नौजवानों, मैं आप सभी को यीशु मसीह के मधुर नाम में नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ! जिस तरह एक पिता अपने बच्चे को अपने कंधों पर उठाता है, उसी तरह हम प्रभु की स्तुति करें, जिन्होंने हमें पिछले वर्ष में आगे बढ़ाया और हमें एक नया वर्ष देखने का अनुग्रह दिया! हर साल, जब हम "जीसस रिडीम्स सेवकाई" के बारे में उनके वचन के लिए प्रार्थनापूर्वक प्रभु की प्रतीक्षा करते हैं, तो प्रभु अनुग्रह से हमें अपनी प्रतिज्ञाएँ देते हैं और उन्हें वफादारी से पूरा करते हैं। इसी तरह, जब हमने वर्ष 2025 के लिए उसके चेहरे को खोजा, तो प्रभु ने हमें यह सामर्थी वायदा दिया: "जहाँ कहीं मैं अपने नाम का सम्मान करूँगा, वहाँ मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तुम्हें आशीष दूँगा" (निर्गमन 20:24)।

मेरे प्रिय युवा मित्र, चाहे आप काम कर रहे हों, अध्ययन कर रहे हों, या सेवकाई कर रहे हों, प्रभु वायदा करता है कि वह आपके पास आएगा और आपको बहुतायत आशीष देगा!

- यदि आप किसी व्यवसाय में लगे हुए हैं, तो वह आएगा और आपके हाथों के काम को आशीष देगा।

- यदि आप नौकरीपेशा हैं, तो वह आपके कार्यस्थल पर आपसे मिलने आएगा और आपको ऊपर उठाएगा।

- यदि आप अपनी पढ़ाई कर रहे हैं, तो वह आपकी शैक्षणिक यात्रा में आपके साथ रहेगा और आपको सफलता की आशीष देगा।

- यदि आप प्रभु की सेवा कर रहे हैं, तो वह आपके मिशन क्षेत्र में आएगा, आपके प्रयासों को आशीष देगा, और अपनी महिमा के लिए आपको ऊपर उठाएगा!

यह वर्ष ऐसा समय हो, जब परमेश्वर की उपस्थिति व्यक्तिगत रूप से आपके लिए आए, हर वायदे को पूरा करे और आपके जीवन के हर पहलू को बदल दे!

उस दिन नाइन में, यीशु मसीह ने एक विधवा के इकलौते बेटे को मृतकों में से जीवित करके एक आश्चर्यजनक चमत्कार किया। यह देखकर, लोगों ने आश्चर्यचकित होकर कहा, "परमेश्वर ने अपने लोगों से भेंट की है!" (लूका 7:16)। जिन लोगों ने उसे खोजा, उन्हें उसके हाथों से प्रचुर आशीष मिला। साथ ही, शास्त्रों में ऐसे कई उदाहरण दर्ज हैं, जहाँ उसने सक्रिय रूप से लोगों की खोज की, चमत्कार किए, और उनके जीवन में आनंद ले आया।

वही प्रभु यीशु मसीह आज भी काम कर रहे हैं, जो लोग उन्हें खोजते हैं उनसे मिलते हैं और उनके जीवन में चमत्कार करते हैं। आज, प्रभु आपसे बात करते हुए कहते हैं, "मेरे बच्चे, मैं तुमसे मिलने और तुम्हें आशीष देने आ रहा हूँ!" आइए हम उन अनेक आशीषों पर विचार करें जो प्रभु हमसे मिलने पर हमें प्रदान करते हैं।

उद्धार की आशीष

यिरीहो के हलचल भरे शहर में, जक्कई नामक एक व्यक्ति की एक अनोखी पदवी थी—वह मुख्य कर संग्रहकर्ता और प्रभावशाली धनी व्यक्ति था। कर अधिकारी के रूप में उसकी नौकरी से उसे अच्छी खासी आय होती थी, और उसकी हैसियत ने उसे पूरे शहर में प्रसिद्ध बना दिया था। फिर भी, अपनी समृद्धि और प्रतिष्ठा के बावजूद, जक्कई एक बेचैन दिल के साथ रहता था। शांति उसे नहीं मिल पाती थी।

आंतरिक उथल-पुथल की इस स्थिति में, जक्कई यीशु मसीह को देखने के लिए तरसता था। जिज्ञासा और हताशा से प्रेरित होकर, उसने उनसे मिलने का अवसर तलाशा। जक्कई को आश्चर्य हुआ, जब उसकी बजाय यीशु ने ही उसे खोज निकाला। जक्कई की ओर देखते हुए, जो एक गूलर के पेड़ पर उनकी एक झलक पाने के लिए बैठा था, यीशु ने कहा, "जक्कई, तुरंत नीचे आ जाओ। मुझे आज तुम्हारे घर पर रहना है।" (लूका 19:5)। ये शब्द सुनकर जक्कई स्तब्ध रह गया। उसने जो सुना

था, उस पर उसे यकीन ही नहीं हो रहा था। "इस शहर में, कोई भी मुझसे प्यार नहीं करता। एक भी व्यक्ति मुझे एक साथी इंसान के तौर पर सम्मान नहीं देता। वे मुझे पापी कहते हैं और मुझसे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन वही परमेश्वर जो मानव रूप में आया, मेरे घर में रहना पसंद कर रहा है?" उसने आश्चर्य से अभिभूत होकर सोचा। अपने वचन के अनुसार, यीशु जक्कई के घर में दाखिल हुए। वहाँ, उन्होंने घोषणा की, "आज इस घर में उद्धार आया है।" (लूका 19:9)। उस पल ने जक्कई और उसके पूरे घराने के लिए एक गहरा आशीष चिह्नित किया। पापों की क्षमा - उद्धार का उपहार - सबसे बड़ा, सबसे सच्चा और सबसे ऊंचा आशीष है जो परमेश्वर हमें देता है। जिस तरह से उसने जक्कई और उसके परिवार को यह उपहार दिया, उसी तरह से यह आशीष आज हमारे लिए भी उपलब्ध है। "मैं आकर तुम्हें आशीष दूंगा!" - प्रभु की यह प्रतिज्ञा जक्कई के जीवन में पूरी हुई जब यीशु ने उससे भेंट की और उसे उद्धार का अनमोल आशीष दिया। लेकिन जक्कई को यह असाधारण आशीष कैसे मिली?

उस क्षण तक, जक्कई अपने और अपने परिवार के लिए अन्यायपूर्ण तरीके से धन इकट्ठा कर रहा था। फिर भी, पहली बार, यीशु मसीह की उपस्थिति में खड़े होकर, उसने एक उल्लेखनीय घोषणा की: "प्रभु, मैं अपनी आधी संपत्ति गरीबों को देता हूं, और अगर मैंने किसी को धोखा दिया है, तो मैं उन्हें चार गुना राशि वापस करूंगा।" जक्कई ने अपने गलत काम को पहचाना, सच्चे दिल से पश्चाताप किया, सार्वजनिक रूप से अपने पापों को स्वीकार किया, और अपने कार्यों को सुधारा। तभी प्रभु ने उसे उद्धार का अद्वितीय आशीष दिया।

अतिप्रिय मित्रों, उद्धार की आशीष आसानी से नहीं मिलती। इसे प्राप्त करने के लिए, हमें सबसे पहले अपने पापों के बारे में जागरूकता और पश्चाताप का सच्चा हृदय होना चाहिए। इसके अलावा, जब हम अपने जीवन में उन क्षेत्रों को सही करते हैं जिन्हें पुनर्संरेखित करने की आवश्यकता है, तो प्रभु हमारे दिलों में खुशी, शांति और सभी तरह की आशीष देंगे जो उनके उद्धार के अमूल्य उपहार के साथ आते हैं!

चंगाई का आशीष

"जब यीशु पतरस के घर में आया, तो उसने पतरस की सास को बुखार में बिस्तर पर लेटा हुआ देखा। उसने उसका हाथ छुआ, और बुखार उतर गया, और वह उठकर उसकी सेवा करने लगी" (मत्ती 8:14–15)। पवित्र बाइबल इस शक्तिशाली क्षण को याद करती है जब पतरस की सास जो तेज बुखार से गंभीर रूप से बीमार थी और अपनी मृत्युशय्या पर पड़ी हुई थी, को यीशु मसीह का चंगाई का स्पर्श मिला। जब यीशु ने पतरस के घर में प्रवेश किया और धीरे से उसका हाथ छुआ, तो बुखार तुरंत दूर हो गया। कितना बड़ा परिवर्तन! आसन्न मृत्यु की संभावना से दुःख और भय से भरा घर, मसीह की उपस्थिति के माध्यम से नए जीवन और आशा के स्थान में बदल गया। वही प्रभु यीशु, जिन्होंने मृत्युशय्या को जीवन की गवाही में बदल दिया, आज आपसे बात करते हैं: "मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तुम्हें आशीष दूँगा" (निर्गमन 20:24)। क्या आप आज परेशान और अभिभूत हैं, अपने परिवार में किसी प्रियजन के बारे में चिंता कर रहे हैं जो एक लाइलाज बीमारी से जूझ रहा है और अपनी मृत्युशय्या पर पड़ा हुआ है? निराश न हों! यीशु मसीह उन्हें ठीक कर सकते हैं और आशीष दे सकते हैं। लेकिन उनके द्वारा आपके घर को आशीष देने के लिए, आपको पहले उन्हें अपने जीवन में स्वागत करना होगा। एक बार जब वे प्रवेश करते हैं, तो आशीर्वाद अपरिहार्य हैं, और उनके सबसे बड़े उपहारों में से एक अच्छा स्वास्थ्य की आशीष है। आज, प्रभु आपकी ओर देखते हैं और कहते हैं, "मेरे प्यारे बच्चे, मैं तुम्हारे घर में कदम रखने और तुम्हें अपने आशीषों से भरपूर करने के लिए तरस रहा हूँ। लेकिन मैं तभी प्रवेश कर सकता हूँ जब तुम अपना दिल खोलो और मुझे अंदर बुलाओ। मैं तुम्हारे साथ रहने के लिए तैयार हूँ और इंतज़ार कर रहा हूँ।"

पुनर्स्थापना का आशीष

इस्राएल की भूमि में यरूशलेम से लगभग दो मील की दूरी पर स्थित बेथनी नामक एक छोटे से गाँव में, दो बहनें, मार्था और मरियम रहती थीं। उनका एक प्यारा भाई था जिसका नाम लाज़र था। एक दिन, उनके घर में त्रासदी आई क्योंकि लाज़र गंभीर रूप से बीमार पड़ गया और अचानक उसकी मृत्यु हो गई। बहनें बहुत दुखी थीं और अपने इकलौते भाई को आराम करने के लिए लिटा दिया, उनका हृदय दुख और छति से भर गया। लाज़र को दफनाए जाने के चार दिन बाद, यीशु मसीह बेथनीया में पहुंचे। यह सुनकर कि यीशु आ रहे हैं, मार्था उनसे मिलने के लिए जल्दी से चली गई। दुःख से दबे हुए दिल से उसने कहा, "हे प्रभु, यदि आप यहाँ पहले होते, तो मेरा भाई नहीं मरता! लेकिन अब, उसे कब्र में रखे हुए चार दिन हो चुके हैं" (यूहन्ना 11:21, 39)। अपनी बहन की तरह, मरियम भी यीशु के पास गई, उसके पैरों पर गिर पड़ी, रोई, और उसके सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की (यूहन्ना 11:28-32)।

मेरे प्रिय, आज आप खुद को आँसू में डूबा हुआ पा सकते हैं, किसी प्रिय चीज़ के खोने का शोक मना सकते हैं। शायद आप उपहास, शर्म और मज़ाक से घिरे हुए हों, ऐसा महसूस कर रहे हों कि जीवन ठहर गया है, और आपके विचार गूंज रहे हों, "सब कुछ खत्म हो गया है; अब कुछ भी नहीं बचा है!" निराश न हों! यीशु मसीह आपके घर आएंगे, आपके आँसू पोंछेंगे, और आपको भरपूर आशीष देंगे। यदि आप अपने जीवन और परिवार में उनके चमत्कारी हस्तक्षेप की इच्छा रखते हैं, तो आज ही अपना दिल उनके लिए खोल दें। उनका स्वागत करें, उनके लिए जगह बनाएँ, और वे आपके लिए कदम बढ़ाएँगे और चमत्कार करेंगे।

एक दिन, मार्था और मरियम ने यीशु मसीह को अपने घर आने का निमंत्रण दिया। प्रेम और अनुग्रह के साथ, उन्होंने उनके निमंत्रण को

स्वीकार किया, उनके घर में प्रवेश किया, और उन्हें भरपूर आशीष दिया (लूका 10:38)। उसी तरह, आप भी खुले दिल से यीशु के पास जा सकते हैं, कह सकते हैं, "प्रभु, मैं आपका बच्चा बनना चाहता हूँ। मेरे घर में आइए, हमारे साथ रहिए, और हमारे परिवार को आशीष दीजिए।" जब आप ऐसा निमंत्रण देते हैं, तो प्रभु अवश्य आएंगे।

मेरे प्रिय, हमारा परमेश्वर हमें हर आशीष देने में सक्षम है, क्योंकि सभी आशीषें उसमें पाए जाते हैं। वह आपके पास आने और आपको भरपूर आशीष देने के लिए तैयार और इच्छुक है। हालाँकि, वह बदले में आपसे एक चीज़ चाहता है। वह क्या है? वह कहता है, "जहाँ कहीं मैं अपने नाम का स्मरण कराऊँगा, वहाँ मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तुम्हें आशीष दूँगा" (निर्गमन 20:24)।

प्रभु आपसे यीशु मसीह के नाम की घोषणा करने की अपेक्षा करता है। क्या आप इस आह्वान के लिए खुद को समर्पित करेंगे? जब आप उसके सामने आत्मसमर्पण करेंगे, तो वह निश्चित रूप से आएगा और आपको आशीष देगा। यीशु ने आपके सभी पापों, शापों, बीमारियों, चिंताओं, शर्म और निन्दाओं को क्रूस पर सहन किया, और आपको आशीष देने के लिए खुद को बलिदान के रूप में पेश किया।

इसलिए, प्रभु के नाम पर अपना अटूट विश्वास रखें, उनके नाम का साहसपूर्वक प्रचार करें और पूरे दिल से उनकी स्तुति करें। दृढ़ विश्वास के साथ यीशु के नाम को अपनाएँ, और जब आप ऐसा करेंगे, तो वह निश्चित रूप से आपके जीवन में प्रवेश करेंगे और आपको असीम तरीकों से आशीष देंगे! ■

JESUS REDEEMS MINISTRIES & FAMILY OF GOD CHURCH PRESENTS

In KOLKATA

YOUTH FESTIVAL

Special Youth Gospel meeting

FEBRAURY 08 SATURDAY

10:00 am -4:00 pm

FAMILY OF GOD CHURCH
Taldi, 24 south parganas
West Bengal - 743376

MESSAGE & PRAYER
BRO.AVINASH

राष्ट्र के लिए प्रार्थना करें...

'यीशु छुड़ाता है'

विश्व जागृति प्रार्थना भवन

Our Branches

Mumbai (Dharavi)
World Revival Prayer Canter, T/1, Block No.11,
90 Feet Road, Rajiv Gandhi Nagar Dharavi, Mumbai - 400 017
Email: br.dharavi@jesusredeems.org, Ph: +91 8082410410

Mumbai (Malad)
World Revival Prayer Center, Bethel, Plot 305/E,
Mith Chowky Marve Road, Malad(w) Mumbai - 400064
Ph: +91 9664050567

Ranchi
World Revival Prayer Centre, Kadru Sarna Toli,
Near Argora Railway Station, Road no -1, Doranda P.O
Ranchi - 834 002, Jharkand,
Email: br.ranchi@jesusredeems.org, Ph: 9523336010

Chandigarh
World Revival Prayer Centre, SCO 1st Floor, Dhakoli-Kalka Road,
NH-22, Near City Court Zirakpur, Punjab- 160104
Email: br.chandigarh@jesusredeems.org, Ph: 9417726492

Delhi
World Revival Prayer Centre, Plot no 152, Ground floor,
Pratap nagar,opposite harinagar bus depot, New Delhi - 110064
Email: br.delhi@jesusredeems.org, Ph: 011-25616253 / 35580428

Come and Pray

Revival IGNiTERS
मासिक युवा बैठक

इग्नाइटर्स फेलोशिप के बैनर तले मासिक युवा फेलोशिप तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, पांडिचेरी और महाराष्ट्र में आयोजित की जाती हैं। इन सभाओं में हर महीने 2,000 से अधिक युवा आते हैं, जो उन्हें अपने प्रार्थना जीवन और आध्यात्मिक यात्राओं में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। ये जोशीले युवा सक्रिय रूप से सेवकाई में लगे हुए हैं, और अनगिनत आत्माओं को उद्धार की ओर ले जा रहे हैं। साथ मिलकर, उन्होंने सामूहिक प्रार्थना के 4,124 घंटे का योगदान दिया है, जिसमें उन्होंने परमेश्वर के राज्य के लिए अपनी आवाज़ बुलंद की है।

युवा जीवन

मासिक पत्रिका

तमिल

जीसस रिडीम्स यूथ मिनिस्ट्री के माध्यम से, परमेश्वर ने जून 2009 में तमिल में यूथ वर्ल्ड मासिक पत्रिका को शुरू करने में सक्षम किया। पिछले 15 वर्षों से, उनके अनुग्रह ने इसके प्रकाशित होने को बनाए रखा है, जो युवाओं के लिए आध्यात्मिक जागृति के स्रोत के रूप में कार्य करता है। पत्रिका दिल के गहन प्रश्नों को संबोधित करती है, आध्यात्मिक विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है, और पाठकों को मसीह में अपनी जड़ें गहरी करने के लिए प्रेरित करती है।

14,000 से अधिक ग्राहकों के साथ, पत्रिका हर महीने 15,000 से 17,000 प्रतियों के बीच छपाई तक पहुँचती है, जो परमेश्वर के बहुतायत के प्रावधान के लिए धन्यवाद। इसके अतिरिक्त, अनगिनत युवा इसे हमारी वेबसाइट (youth.jesusredeems.com) के माध्यम से डिजिटल रूप से उपयोग करते हैं, जहाँ वे इसे अपनी सुविधानुसार डाउनलोड कर सकते हैं और पढ़ सकते हैं।

हर साल, 10,000 से अधिक पाठकों को डिजिटल संस्करण का आशीर्वाद मिलता है। इस प्रभावशाली प्रकाशन ने कई लोगों को पवित्रता में मजबूत किया है और उन्होंने बेदारी के दर्शन को अपनाया है।

अंग्रेजी

तमिलनाडु से बाहर अन्य राज्यों और देशों में युवाओं को शिष्य के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से, यूथ ट्रेंड्स अंग्रेजी पत्रिका अप्रैल 2014 में शुरू की गई थी। तब से, यह डाक सेवाओं के माध्यम से लगभग 3,000 ग्राहकों तक पहुँच रही है। इसके अतिरिक्त, 6,000 से अधिक व्यक्ति वेबसाइट के माध्यम से सालाना पत्रिका डाउनलोड करते हैं और पढ़ते हैं, जिससे उन्हें बहुमूल्य जानकारी मिलती है। यह मंच विभिन्न देशों के युवा पाठकों को अपने-अपने देशों में प्रभु के लिए जागरूक होने और चमकने के लिए प्रेरित करता है।

हिंदी

उत्तर भारत में युवाओं के आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए, पत्रिका का प्रकाशन 2023 में हिंदी में शुरू हुआ, शुरुआत में वेबसाइट अपलोड के माध्यम से हुआ। जुलाई 2024 से, 1,600 से अधिक मुद्रित प्रतियाँ डाक के माध्यम से वितरित की गई हैं, और 4,000 से अधिक व्यक्ति इसे ऑनलाइन उपयोग करते हैं। यह पहल उत्तर भारत में विश्वासियों की एक जोशीली सेना को परमेश्वर के लिए साहसपूर्वक खड़े होने के लिए सशक्त बना रही है।

मलयालम

मलयालम बोलने वाले युवाओं के लिए, उनकी भाषा में लेख अप्रैल 2023 से लगातार वेबसाइट पर अपलोड किए जा रहे हैं। अगस्त 2023 से शुरू होकर, इन सामग्रियों की 1,400 मुद्रित प्रतियाँ मलयालम बोलने वाले युवाओं को वितरित की गई हैं।

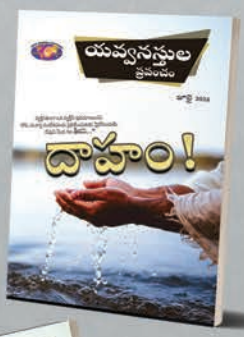

इसके अतिरिक्त, तेलुगु और कन्नड़ में, मार्च 2023 से वेबसाइट के माध्यम से हर महीने 700 से अधिक लोग इन लेखों को डाउनलोड कर रहे हैं और उनसे लाभ उठा रहे हैं। सारी महिमा परमेश्वर को मिले!

Achievers

परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए एक विशेष बैठक

परमेश्वर के अनुग्रह से, परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए तमिलनाडु के विभिन्न जिलों में अचीवर्स फेलोशिप आयोजित की गई। इन सभाओं में लगभग 6,241 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 65% को यीशु के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। जो लोग डर और निराशा से बोझिल होकर आए थे, वे नए विश्वास और साहस के साथ वापस लौटे, और आत्मविश्वास के साथ अपनी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हुए।

महीने के हर आखिरी रविवार को, जीसस रिडीम्स के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से रिवाइवल इग्नाइटर्स का सीधा प्रसारण किया जाता है। इस कार्यक्रम में हर महीने 1,500 से अधिक युवा शामिल होते हैं, जो लाइव सत्र में शामिल होते हैं और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होते हैं।

हर पांचवें रविवार को, यह कार्यक्रम विशेष रूप से हिंदी भाषी युवाओं के लिए होता है, जिसमें 500 से अधिक प्रतिभागी शामिल होते हैं। ये युवा व्यक्ति अपने राज्यों के बेदारी और उद्धार के लिए उत्साहपूर्वक प्रार्थना करते हैं। कई लोग मध्यस्थ के रूप में उभरे हैं, जो परिवर्तन के दर्शन को जोश से लेकर चल रहे हैं।

इस वर्ष कन्नड़-भाषी दर्शकों के लिए समर्पित हर पांचवें रविवार को कन्नड़-भाषा प्रसारण की शुरुआत हुई है। लगभग 500 प्रतिभागियों ने कर्नाटक में आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रार्थना में हाथ मिलाया है, जिससे पूरे राज्य में बेदारी की लहर पैदा हुई है।

ON SUNDAY 30th MARCH
Time: 3:00 PM - 5:00 pm

IGNITERS, MONTHLY YOUTH PROGRAM IS TELECASTED LIVE ONLINE IN YOUTUBE AND FACEBOOK

अन्य राज्यों में मंत्रालय

सेवकाई

परमेश्वर के अलौकिक अगुवाई के तहत, उत्तर-भारत (पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली) से 998 युवाओं का एक उल्लेखनीय समूह अपने जिलों में बेदारी की आग को वापस ले जाने के लिए नलुमावदी के पवित्र मैदान में पहुंचा। इसके अतिरिक्त, परमेश्वर ने पूर्वी भारत (छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश) के 968 युवाओं पर अपनी कृपा बरसाई, जिससे अनुवर्ती प्रयासों को सक्षम किया गया जिसने उनके कार्य के लिए जुनून को जगाया।

परिणामस्वरूप, लगभग 2,000 युवा व्यक्तियों ने अटूट उत्साह के साथ परमेश्वर के बेदारी के मिशन को पूरा करने के लिए खुद को पूरे दिल से समर्पित कर दिया है। इसने जीवंत युवाओं को प्रेरित किया है, दिल्ली और मुंबई में दक्षिण की ओर होने वाली सभाएँ, जहाँ युवा विश्वासी अब बड़ी संख्या में एकजुट होकर उत्साहपूर्वक आराधना करते हैं और सक्रिय रूप से प्रभु की सेवा करते हैं। इस वर्ष अकेले, उन्होंने 95,157 युवाओं के साथ सुसमाचार साझा किया है और सामूहिक रूप से अपने राज्यों के आध्यात्मिक जागरण के लिए प्रार्थना में 368,142 घंटे समर्पित किए हैं। वास्तव में, बेदारी की आग पूरे क्षेत्र में फैल रही है, मसीह के लिए एक पीढ़ी को प्रज्वलित कर रही है!

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, जो पुनरुत्थान आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, ने नलुमावडी में आयोजित "रिवाइवल इग्नाइटर्स कैंप" में अपने क्षेत्रों से 500 से अधिक युवाओं की भागीदारी देखी, जहां उन्हें सशक्त और नया किया गया। इसके परिणामस्वरूप, 2024 में, ईश्वर की कृपा से चित्तूर, पुत्तूर, कुप्पम, तिरुपति, हैदराबाद और आस-पास के क्षेत्रों में प्रचारात्मक प्रयासों के माध्यम से लगभग 1,21,274 लोगों तक मसीह के प्रेम का संदेश पहुंचाया गया। साथ ही, पुनरुत्थान के लिए मध्यस्थ प्रार्थनाओं में 15,499 घंटे समर्पित किए गए।

इसके अतिरिक्त, चित्तूर, तिरुपति और हैदराबाद जैसे शहरों में युवाओं के लिए मासिक फॉलो-अप बैठकों का आयोजन किया गया, जबकि हैदराबाद, नागरकुरनूल, कुप्पम और चित्तूर में विशेष पुनरुत्थान सभाएं आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों ने सामूहिक रूप से लगभग 1,000 युवाओं को सेवकाई दी और उन्हें ईश्वर के उद्देश्य के करीब लाने में आशीष दी।

केरल

केरल के 600 से अधिक युवाओं ने "बेदारी फैलाने वालों की आग" शिविर में भाग लिया, अपने उत्साह के माध्यम से बेदारी के एक तेज़ आंदोलन को प्रज्वलित किया। उनके प्रयासों से, बेदारी की आग तेज़ी से फैल रही है। अकेले 2024 में, सुसमाचार को 175,103 लोगों के साथ साझा किया गया है, और देश की जागृति के लिए मध्यस्थता करने के लिए आश्चर्यजनक 14,534 घंटे समर्पित किए गए हैं। जैसा कि प्रभु ने वादा किया था, दक्षिणी राज्यों में बेदारी की लपटें फैलनी शुरू हो गई हैं।

सारी महिमा प्रभु को मिले!

MOUNT SINAI 2024

एक दिवसीय युवा कार्यक्रम

युवा प्रार्थना योद्धाओं को बढ़ाने के दर्शन के साथ, माउंट सिनाई एक दिवसीय युवा उपवास प्रार्थना सभा 2010 से हर साल आयोजित की जाती है। हर साल, दिवाली के दिन, हज़ारों युवा लोग उपवास करने और राष्ट्र के लिए प्रार्थना करने के लिए इकट्ठा होते हैं - इसके बेदारी के लिए मध्यस्थता करते हैं और इसके भीतर मौजूद पापों के लिए पश्चाताप करते हैं। इस साल, परमेश्वर के अनुग्रह से, यह सभा तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पांडिचेरी और महाराष्ट्र में 30 स्थानों तक फैल गई। उल्लेखनीय रूप से, 9,903 युवा प्रतिभागी एक साथ आए और राष्ट्र के लिए प्रार्थना में अपने हृदयों को ऊपर उठाया। उनमें से कई ने मसीह के लिए उभरने के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया और समर्पण के तहत एक सामर्थी कार्य में, 250,000 से अधिक सुसमाचार ट्रैक्ट वितरित किए, जो सुसमाचार फैलाने के मिशन पर जुनून से आगे बढ़े। सारी महिमा केवल परमेश्वर को मिले!

युवा जीवन

टेलीविजन सेवकाई

वर्ष 2000 से, युवा विश्व टेलीविजन कार्यक्रम हर शनिवार को सुबह 6:30 बजे सत्यम टीवी पर प्रसारित किया जाता है। गवाही, स्तुति और आराधना, प्रश्नोत्तर सत्र, पेथ ऑफ ड्रीम्स और सत्य को जानें जैसे भागों के माध्यम से, हम दर्शकों के साथ यीशु के प्रेम को साझा करते हैं। हम हर हफ्ते नए और प्रेरक एपिसोड प्रसारित करते हैं, जो अनगिनत युवा जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, इस सेवकाई ने 10 लाख से अधिक लोगों को आशीष प्रदान किया है। सारी महिमा परमेश्वर को मिले!

Youth World

In Sathiyam TV
Every Saturday
6:30 AM

Watch it on
YouTube and Comforter TV
at 7:00 AM

Dear youngsters introduce this TV programme to your friends and share to us the blessings that you have received through this to the number given below.

9750955547

प्रार्थना बिंदु

जनवरी 2025

1. आइए हम भारत भर में 16 करोड़ से अधिक लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो शराब की लत के अधीन हैं।

2. आंकड़े बताते हैं कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति शराब की लत से बंधा हुआ है। आइए हम उनकी मुक्ति के लिए प्रार्थना करें, खासकर उन 7.5% महिलाओं के लिए जो इस विनाशकारी आदत में फंसी हुई हैं।

3. भारत में शराब से जुड़ी मौतें हर साल 30 लाख लोगों की जान लेती हैं, जो हर मिनट छह लोगों की जान लेने के बराबर है। आइए हम प्रार्थना करें कि इन दुखद मौतों को रोका जाए और लोगों की जान बचाई जाए।

4. युवाओं में शराब की लत में पाँच गुना वृद्धि को रोका जाना चाहिए। आइए हम जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को इस तरह के बंधन से मुक्त जीवन जीने के लिए जागृत करने के लिए प्रार्थना करें।

5. आइए हम प्रार्थना करें भारत में शराब की बिक्री के 45% के लिए जिम्मेदार चार राज्यों के लिए, कि परमेश्वर उनके मुख्यमंत्रियों के हृदयों में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाए, जिससे महत्वपूर्ण बदलाव आए।

6. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, भारत में प्रतिदिन औसतन 80 हत्याएँ होती हैं, और एक वर्ष में 29,193 हत्याएँ होती हैं। आइए हम अपने राष्ट्र की नैतिक और सामाजिक स्थिति में पूर्ण बदलाव के लिए ईमानदारी से प्रार्थना करें।

7. आइए हम उत्तर प्रदेश के उद्धार के लिए प्रार्थना करें, जहाँ पिछले वर्ष सबसे अधिक 3,779 हत्याएँ दर्ज की गईं।

8. आइए हम भारत भर में हिंसा और हत्याओं में उल्लेखनीय कमी लाने और आपराधिक गतिविधियों में कमी लाने के लिए प्रार्थना करें।

9. आइए हम युवाओं में हत्याओं की दुखद वृद्धि के खिलाफ़ प्रार्थना करें, जहाँ युवा एक-दूसरे की जान लेकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं।

10. आइए हम उन हत्यारे दुष्टतात्माओं को बाँधने के लिए प्रार्थना करें जो रक्तपात को भड़काती हैं और निर्दोष लोगों की जान लेती हैं।

11. आइए हम मणिपुर में हिंसा को बढ़ावा देने वाली दुष्टतात्माओं को बाँधने और राज्य में अशांति के पूर्ण खातमें के लिए प्रार्थना करें।

12. आइए हम हिंसक घटनाओं के कारण होने वाली हानि और मृत्यु से लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें, ताकि जीवन सुरक्षित हो सके।

13. आइए हम मणिपुर के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रार्थना करें कि वे ऐसे बुद्धिमानी भरे निर्णय लें, जिससे चल रही हिंसा समाप्त हो।

14. आइए हम कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शांति और सद्भाव के लिए प्रार्थना करें, ताकि संघर्ष और हिंसा समाप्त हो सके।

15. आइए हम मणिपुर के आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रार्थना करें, ताकि राज्य परमेश्वर के कार्य के लिए तैयार हो सके और इसके लोग यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

16. आइए हम परमेश्वर से सुरक्षा की प्रार्थना करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मणिपुर जैसी परिस्थितियाँ देश के किसी अन्य राज्य में उत्पन्न न हों।

17. आइए हम परमेश्वर से ऐसे दयालु व्यक्तियों को खड़े करने के लिए प्रार्थना करें, जो उचित कपड़ों या आश्रय के बिना, सर्दियों में संघर्ष कर रहे बच्चों की मदद करेंगे।

18. आइए हम कनाडा की आर्थिक स्थिरता के लिए प्रार्थना करें, जो मुद्रास्फीति और बेरोजगारी से जूझ रहा है, ताकि उसे सुधार और विकास की आशीष मिले।

19. आइए हम उन 25% माता-पिता के लिए प्रार्थना करें जो अपने बच्चों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं करा पाने के कारण अपने भोजन में कटौती करने के लिए मजबूर हैं। भोजन की कमी की जगह प्रचुरता आए और उनके देश में समृद्धि आए।

20. कनाडा में आर्थिक संकट के मद्देनजर, आइए हम उन 25% लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने में असमर्थ हैं, ताकि परमेश्वर का प्रावधान उनकी ज़रूरतों को भरपूर पूरा करे।

21. भारत में 34 करोड़ से ज़्यादा मसीहियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जिन्हें यीशु में उनके विश्वास के कारण सताया जा रहा है। इस उत्पीड़न को समाप्त किया जाए।

22. हर दिन, दुनिया भर में 13 मसीही यीशु के प्रेम में चलने का चुनाव करने के कारण शहीद हो जाते हैं। आइए हम इस अन्याय के अंत के लिए प्रार्थना करें।

23. आइए हम उन मसीहियों के लिए परमेश्वरीय सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो मसीह का अनुसरण करने के कारण प्रतिदिन मृत्यु का सामना करते हैं। परमेश्वर का हाथ उन्हें नुकसान से बचाए।

24. बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्तियों में बदलाव के लिए प्रार्थना करें ताकि उनके दिल परमेश्वर की ओर मुड़ें और उन्हें शांति मिले।

25. आइए हम अपने देश में लगभग 400,000 लोगों के लिए प्रार्थना करें जो अपनी आजीविका के लिए भीख मांगते हैं। आइए हम उस भयावह स्थिति के परिवर्तन के लिए भी प्रार्थना करें जहां 300,000 बच्चे गरीबी के कारण भीख मांगने पर मजबूर हैं।

26. आइए हम उन दुष्ट व्यक्तियों के चंगुल से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो उनका अपहरण करते हैं, उनके अंग चुराते हैं और उन्हें पैसे के लिए बेचते हैं।

27. हर साल हमारे देश में 1 करोड़ से अधिक बच्चों का दुखद गर्भपात हो जाता है। आइए हम अजन्मे बच्चों के जीवन की रक्षा के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

28. हमारे देश में लगभग 81 लाख बच्चे विभिन्न परिस्थितियों के कारण स्कूल नहीं जा पाते और शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते। आइए हम प्रार्थना करें कि सरकार इन बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी नीतियां लागू करे।

29. भारत में लगभग 85 लाख बच्चे विभिन्न नशीले पदार्थों की लत के बंधन में फंसे हुए हैं। आइए हम इन विनाशकारी जंजीरों से उनके उद्धार के लिए दिल से प्रार्थना करें ...

30. हमारे देश में 49 लाख से ज़्यादा बाल मज़दूर हैं। आइए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि बाल मज़दूरी से जुड़े कानूनों को सरकार द्वारा और सख़्ती से लागू किया जाए ताकि इस अन्याय को खत्म किया जा सके।

31. भारत में 1,657 बच्चे ऐसे हैं जो आपराधिक गतिविधियों में फंस गये हैं और अब जेलों में बंद हैं। आइए हम उनके पश्चाताप के लिए और सच्चे उद्देश्य और मुक्ति पाने के लिए, अपना जीवन यीशु को समर्पित करने के लिए प्रार्थना करें।

रिवाइवल इग्नाइटर्स कैंप

वर्ष 2021 से, जीसस रिडीम्स सेवकाई के लिए परमेश्वर के दर्शन के तहत, रिवाइवल इग्नाइटर्स कैंप ने तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूरे भारत से 13,000 से अधिक युवाओं को एक साथ लाया है। प्रतिभागियों ने बेदारी की आग प्राप्त की और इसे अपने क्षेत्रों में परिवर्तन करने के लिए वापस ले गए।

मई 2024 में, विशेष रूप से तमिलनाडु के युवाओं के लिए तैयार किए गए चौथे बैच ने 1,093 प्रतिभागियों को बेदारी की आग और एक नए अभिषेक के साथ प्रज्वलित किया। वे अब अपने शहरों और गाँवों में लौट आए हैं, जोश के साथ सुसमाचार साझा कर रहे हैं और परिवर्तन के आंदोलन को बढ़ावा दे रहे हैं।